महत्वपूर्ण एवं खास

बोर्ड परिक्षाओं के प्रश्नपत्र सहित अन्य गोपनीय सामग्रियों का हुआ वितरण

बिलासपुर, (आरएनएस)। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित दसवीं और बारहवीं बोर्ड के प्रश्न पत्र समेत अन्य गोपनीय सामग्री का आज गव्हर्नमेंट स्कूल में केंद्राध्यक्षों को वितरण किया गया। इस दौरान आज शहरी इलाके के स्कूलों बांटा गया है। कल ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों के लिये वितरण किया गया था। प्रश्न पत्रों को विशेष सुरक्षा के साथ थानों में जमा करा दिया जायेगा। गौरतलब हो कि माशिमं द्वारा दसवीं, बारहवीं की परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसके लिये शिक्षा विभाग के द्वारा प्रश्न पत्रों का आज गव्हर्नमेंट स्कूल में वितरण किया जा रहा है। आज शहरी क्षेत्र के 34 केंद्रों के लिये प्रश्न पत्र वितरण का कार्य जारी है। माशिमं द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा की समय सारिणी घोषित कर दी गई है। दसवीं बोर्ड की परीक्षा पांच मार्च और बाहरवीं बोर्ड की परीक्षा सात मार्च से प्रारंभ हो रही है। बोर्ड परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। इसके अलावा प्रायोगकि परीक्षा भी संपन्न हो गई है। आज प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिका समेत अन्य गोपनीय सामग्री का वितरण स्कूल परिसर में किया गया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा रखी गई है। परीक्षा सामग्री का वितरण आज दोपहर 11 बजे से प्रारंभ हुआ। कल ग्रामीण क्षेत्र के 108 केंद्रों को सामग्री वितरण गया किया था। इसके अलावा आज 24 फरवरी को शहरी क्षेत्र के 34 सेंटरों के लिये प्रश्न पत्र का वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही प्रश्न पत्रों को विशेष सुरक्षा में बसों से संबंधित थाना क्षेत्रों में ले जाया जायेगा। दसवीं की परीक्षा में लगभग 33 हजार एवं बारहवीं की परीक्षा में तकरीबन 21 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। 34 केन्द्रों के लिए प्रश्न पत्रों का वितरण हुआ परीक्षा के प्रश्न पत्रों के वितरण के संबंध में सहायक संचालक शिक्षा विभाग के अजय कौशिक ने बताया कि आज शहरी क्षेत्र के 34 केंद्रों को प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिका समेत गोपनीय सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है। कल शहरी क्षेत्र के केंद्रों के लिये वितरण किया जायेगा। प्रश्न पत्रों को कड़ी सुरक्षा में बस के माध्यम से संबंधित थानों में रवाना किया जा रहा है।

बाल संरक्षण समिति के जागरूकता से रूका बाल विवाह

कोरबा, (आरएनएस)। एकीकृत बाल संरक्षण योजना अंतर्गत पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति के सदस्यों को प्रदान किये गये प्रशिक्षण एवं समिति के सदस्य होने के प्रति उनके कार्यदायित्व से अवगत कराये जाने के कारण समिति के लोगो में जन जागरूकता का असर होने लगा है। उक्त जागरूकता के कारण जिले में गठित की गयी समिति के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्रों में बच्चों के प्रति होने वाली घटनाओं और होने वाले बाल विवाह की जानकारी जिला बाल सरक्षण इकाई, महिला बाल विकास विभाग को दी जाने लगी है। जन जागरूकता की इसी कडी में जिला कोरबा के दुरस्थ वनांनचल ग्राम श्यांग के ग्राम पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा गुरूवार 22 फरवरी को ग्राम श्यांग में किशोरी के बाल विवाह कराये जाने की सूचना दी गयी। जिसकी जांच कर होने वाले बाल विवाह को रोकने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी आनन्द प्रकाश किसपोट्टा व जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी दया दास महंत, पर्यवेक्षक सरिता साहू, कौशिल्या प्रधान, चाइल्ड लाइन कोरबा केंद्र समन्वयक आशिष प्रकाश दान, परामर्शदाता कु. नमिता लकरा, पुलिस बल श्यांग द्वारा बाल विवाह का पता करने हेतु श्यांग गये जंहा बालिका की आयु 18 वर्ष से कम पायी गयी, जिसके पश्चात बाल विवाह रूकवाने गये दल एवं ग्राम के बाल संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा बाल विवाह के रोकथाम हेतु बने कानून के बारे में बताया गया कि बाल विवाह न हो इस हेतु कानून द्वारा लडकी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष व लडके की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गयी है। यदि इसके विपरित किसी भी व्यक्ति द्वारा बाल विवाह की जाती है, तो उनके विरूध कठोर दण्ड का प्रावधान रखा गया है जिसमें घराती, बराती एवं विवाह कराने वालों के साथ विवाह में सम्मिलित समस्त लोगों को कठोर दण्ड से दण्डित किया जायेगा जिसमें लाखों रूपयों का जुर्माना व 7 वर्ष तक के सजे का प्रावधान है। इसके साथ ही यदि विवाह करने वाला लडका 21 वर्ष का हो परंतु लडकी 18 वर्ष से कम हुयी तो लडके के विरूद्ध, पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 7 वर्ष तक के सजा से दंडित किया जायेगा। उपरोक्त बातों से अवगत कराते हुये नाबालिग बालिका का विवाह उसके बालिग हो जाने के पश्चात करने हेतु समझाईश दी गयी। जिसे परिजनों द्वारा भी बालिका के 18 वर्ष पूर्ण हो जाने पर ही उसका विवाह करने की बात कही गयी। जिसके पश्चात ग्राम में इस तरह की ग्राम के आसपास के क्षेत्रों, विद्यालय, छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्रों इत्यादि जगह पर चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 एवं बाल विवाह से संबाधित कानून के विषय पर ग्राम के लोगों एवं बच्चों को जानकारी प्रदान की गयी।

file photo

सड़क डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया महापौर ने

कोरबा , (आरएनएस)। निगम द्वारा वार्ड क्र. 04 में किए जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य का आज महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने निरीक्षण किया तथा कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश अधिकारियो को दिए। इस मौके पर उन्होने वार्ड के नागरिकों से भेंट कर उनकी विकास संबंधी समस्याओं एवं आवश्यक ताओं की जानकारी ली तथा निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सतत रूप से जारी विकास कार्यो की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में पुराने कोरबा शहर स्थित वार्ड क्र. 04 में वार्ड में स्थित सम्पूर्ण सड़कों के सड़क डामरीकरण का कार्य 01 करोड़ 04 लाख रूपये की लागत से कराया जा रहा है, वर्तमान में डामरीकरण का कार्य वार्ड के प्रताप कुंआ मोहल्ले में किया जा रहा है। आज महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने स्थल पर पहुंचकर किए जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य का सघन रूप से निरीक्षण किया, उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि डामरीकरण कार्य के दौरान कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए ताकि डामरीकरण का कार्य टिकाऊ हो तथा लंबे समय तक इसका लाभ वार्ड के नागरिकों को प्राप्त होता रहे। इस अवसर पर प्रताप कुंआ बस्ती के नागरिकों से उन्होने भेंट की तथा उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली, बस्तीवासियों ने बस्ती में विद्युत विस्तार हेतु कुछ नए खंभों को लगाए जाने का अनुरोध महापौर से किया, जिस पर उन्होने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को इस दिशा में समुचित रूप से आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर के साथ वार्ड क्र. 04 के पार्षद मनीष शर्मा, निगम के सहायक अभियंता डी.सी.सोनकर आदि के साथ काफी संख्या में बस्तीवासी उपस्थित थे।

सेल अकादमी खिलाड़ी का नेशनल हॉकी टीम में चयन

भिलाई, (आरएनएस)। राउरकेला स्थित सेल हॉकी अकादमी (एसएचए) के खिलाड़ी शिलानंद लकरा को 18 सदस्यीय भारतीय सीनियर हॉकी टीम (पुरुष) के लिए चुना गया है, जो 3 मार्च से 10 मार्च, 2018 तक मलेशिया के इपोह में खेले जाने वाले 27वें सुल्तान अजलान शाह कप टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। शिलानंद हॉकी में फारवर्ड लाइन के खिलाड़ी हैं और मलेशिया में अक्टूबर, 2017 में आयोजित सुल्तान ऑफ जोहोर कप के कांस्य पदक विजेता जूनियर नेशनल टीम का हिस्सा रहे हैं। यह टूर्नामेंट मलेशिया द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा विश्व की पहले नंबर की टीम आस्ट्रेलिया और दूसरे नंबर की टीम अर्जेन्टीना तथा इंग्लैंड और आयरलैंड जैसी टीमें भी भाग ले रही हैं। उल्लेखनीय है कि शिलानंद सुंदरगढ़ जिले के कलिजापाथर गाँव का रहने वाला है और इसके पिता का नाम कार्लोस लकरा और माता का नाम मैरी ग्रेस लकरा है तथा वह अगस्त, 2015 में सेल अकादमी में शामिल हुआ। तभी से वह पूर्व नेशनल जूनियर इण्डिया हॉकी खिलाड़ी पीटर तिर्की और एनआईएस कोच राजू कांत सैनी जैसे दिग्गजों से हॉकी की बारीकियों को सीख रहा है। पीटर तिर्की राउरकेला इस्पात संयंत्र के हॉकी कोच हैं। हाल ही में, सेल अकादमी की टीम ने मध्यप्रदेश के खरगांव में 18 से 21 जनवरी के बीच आयोजित नबाग्रह ट्रॉफी ऑल इंडिया इन्विटेशन हॉकी टूर्नामेंट में विजेता का खिताब हासिल किया। इस सिलसिले को जारी रखते हुए, सेल अकादमी की टीम ने 23 से 31 जनवरी, 2018 के बीच झाँसी, उत्तरप्रदेश में आयोजित 8वें विनोद खांडेकर ऑल इंडिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट (अंडर 21) में भी भाग लिया और रेलवे हॉकी अकादमी, महाराष्ट्र की टीम को फाइनल में हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। भारत में हॉकी के गढ़ के नाम से विख्यात राउरकेला के 15 एकड़ क्षेत्र में सेल हॉकी अकादमी (एसएचए) की स्थापना 1992 में की गई। इसके बाद, हॉकी को बढ़ावा देने के लिए यहाँ एक स्पेशल हॉकी स्टेडियम भी बनाया गया। इस हॉकी स्टेडियम को जून, 2005 में सिंथेटिक टर्फ की अत्याधुनिक सुविधा से सुसज्जित किया गया। राउरकेला में हॉकी अकादमी के अलावा, सेल के बोकारो और बर्नपुर में दो फुटबॉल अकादमी, भिलाई में लड़कों के लिए और दुर्गापुर में एक लड़कियों के लिए एक-एक एथलेटिक्स अकादमी है। सेल की किरीबुरू में एक तीरंदाजी अकादमी भी है। सेल हॉकी अकादमी के कई खिलाड़ियों ने भारतीय हॉकी के लिए अपना योगदान दिया है।

file photo

तेलंगाना के अधिकारियों ने कहा तुपाकलगुड़म बांध से छग को डूबान खतरा नहीं

जगदलपुर, (आरएनएस)। बस्तर की सीमा पर स्थित तेलंगाना के तुपाकलगुड़म बांध से छग को डूबान का कोई खतरा नहीं है। तेलंगाना के जल संसाधन विभाग के भूफापल्ली स्थित ईई ने छग के कांग्रेस पदाधिकारियों को यह आश्वासन दिया है कि, इस प्रकार से गोदावरी में बन रहे 16.24 अरब रूपये के वाटर प्रोजेक्ट से छग को डूबान का खतरा नहीं होगा। लेकिन वर्तमान स्थिति में जिस स्थान पर यह डेम बन रहा है उसे देखते हुये ऐसा लगता है कि छग की भूमि भी डूबान क्षेत्र में आ सकती है। छग की अंतिम सीमा के पास तारलागुड़ा स्थित गांव के 5 किमी दूर स्थित गोदावरी नदी पर तेलंगाना द्वारा यह बांध बनाया जा रहा है। वहां के कार्यपालन यंत्री ने इस संबंध में मिलने गये कांग्रेस के पदाधिकारियों को यह आश्वासन दिया कि इस बांध से छग की भूमि डूबान में नही आयेगी। इस संबंध में कांग्रेस के नेताओं ने घटना स्थल पर जाकर वहां के जल संसाधन विभाग से विस्तृत चर्चा की और उन्हें यह आश्वासन दिया गया । इस संबंध में ईई ने बताया कि यह बांध केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के मंजूरी से बन रहा है और डेम का पानी नदी के बाहर प्रवाहित नही होगा और इसमें हमेशा 76 मीटर तक पानी भरा रहेगा। बारिश में भी यदि पानी अधिक हुआ तो डेम के निकासी गेट खोल दिये जायेंगे। इससे पानी का ओव्हफ्लो नही होगा।

तेंदूपत्ता साख कर्तन की तैयारी जोर शोर से

महासमुंद, (आरएनएस)। आगामी 1 मार्च से प्रारंभ हो रहे हैं तेंदूपत्ता कार्य के लिए इन दिनों जिले के विभिन्न प्राथमिक समिति क्षेत्रों में प्रशिक्षण का कार्यक्रम चल रहा है इसी क्रम में 23 फरवरी को महासमुंद क्षेत्र का सिरपुर समिति के छपोड़ाडीह ग्राम प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के संचालक मंडल के सदस्यों एवं मुंशियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को महासमुंद क्षेत्र के छपोडाडीह में आयोजित प्रशिक्षण मैं जिला लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष विनोद चंद्राकर के आतिथ्य में मुंशियों एवं तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता संग्रहण का प्रशिक्षण दिया गया वनोपज संघ के अध्यक्ष विनोद चंद्राकर ने संग्राहकों को तेंदूपत्ता संग्रहण का आधार स्तम्भ करार देते हुए कहां की तेंदूपत्ता कि असली मालिक यही है साख कर्तन कार्य को तेंदूपत्ता संग्रहण का नीव बताते हुए कहा कि जितने अच्छे से साख कर्तन का कार्य किया जावेगा उतनी ही अधिक मात्रा में और अच्छी गुणवक्ता के तेंदूपत्ता संग्रहण हो सकेगा। चंद्राकर ने कहा कि इस कार्य को एक नियोजित अभियान की तरह लेते हुए इस कार्य में पंचायत सरपंच सचिव संचालक अध्यक्ष एवं सदस्यों तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का पूर्ण सहयोग लेवे, इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 2500 रुपए प्रति मानक बोरा दिया जावेगा अर्थात 1 सैंकड़ा तेंदूपत्ता कि पारिश्रमिक राशि 250 रुपए दी जावेगी और हर मुंशियों का कमीशन 40 रुपए प्रति मानक बोरा दिया जाएगा तथा साख कर्तन ?40 बढ़ाकर 52 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है शासन के समक्ष लगातार मांग के चलते 28- 29 वर्षो से कम मानदेय पर कार्यरत समिति प्रबंधकों को 12500 रुपए प्रतिमाह एवं फड़ मुंशियों को 200 रुपए प्रति माह मानदेय के अनुसार 8 माह तक साइकिल भत्ता दिया जाएगा 2017 सीजन में हमारा लक्ष्य जो निर्धारित था उसके 94 प्रतिशत से अधिक का तेंदूपत्ता संग्रहण किया इस वर्ष हमारा तेंदूपत्ता संग्रहण लक्ष्य 95000 हजार 600 मानक बोरा निर्धारित किया गया है।

file photo

सुरक्षा बलों को गश्त से रोकने नक्सली रास्ते में बिछा रहे कीला

जगदलपुर, (आरएनएस)। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों के उनके प्रभाव क्षेत्र में आने से रोकने के लिए हर संभव उपाय कर रहे हैं। पहले आईडी बम सहित कई विकल्प प्रेशर बम, टिफिन बम जैसे उपाय किये जा रहे थे। अब इसी कड़ी में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने रास्ते में नक्सली कीला बिछाने की कार्यवाई कर रहे हैं। जिससे सुरक्षाबलों को आंशिक रूप से आवाजाही में परेशानी होती है। वहीं जब सुरक्षाबल परेशान होते हैं तब नक्सली उन पर हमला कर देते हैं। इस प्रकार सुरक्षाबलों को दोहरा आक्रमण झेलना पड़ता हैं। यह भी जानकारी मिली है कि नक्सली कील बनाने के लिए पुल-पुलियों में बिछाई गई छड़ों का उपयोग कर रहें हैं। इन छड़ों को क्षेत्र के पुल-पुलियों को क्षतिग्रस्त कर काटकर निकाला जाता है। फिर उसे नुकीला बनाया जाता है। इसके बाद इसे लकड़ी जैसे माध्यम से सहारा देते हुए सड़क में गाढ़ दिया जाता है। सुरक्षाबल के जवान जब चलते हुए कीलों पर पैर रखते हैं तो वह कील इनके पैरों में गड़ जाती हैं और जब वह जवान और उसके साथी बचने का उपाय करते हैं तभी आसपास छुपे नक्सली उन पर आक्रमण कर नुकसान पहुंचाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस समय बस्तर में नक्सली अपने अस्तित्व को बचाने सुरक्षाबलों को अधिक से अधिक चोंट पहुंचाने के साथ-साथ शासकीय संपत्ति को भी सर्वाधिक क्षति पहुंचा रहे हैं। इस संबंध में वे जो भी उपाय संभव हो उसे आजमाकर देख रहे हैं। अभी हाल ही में जो नक्सली हमला सुकमा जिले में हुआ था। उसमें सुरक्षाबलों के दो जवान सहित दो मजदूर मारे गये थे। घायल हुये जवानों की संख्या भी अलग से है। इस हमले में यही प्रक्रिया अपनाई गई थी। जिससे सुरक्षाबलों को संभलने का मौका बड़ी मुश्किल से मिल पाया। यह घटना सड़क निर्माण में लगे सुरक्षाबलों के उपर किया गया था। तात्पर्य यह है कि हर हाल में नक्सली सड़क निर्माण को हतोत्साहित करना चाहते हैं।

बच्चों के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी है किलकारी कक्ष

जगदलपुर, (आरएनएस)। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति टी. राधाकृष्णन ने कहा कि किलकारी कक्ष के होने से कुटुंब न्यायालय सहित अन्य न्यायालयों में पेशी के दौरान आने वाली महिलाओं व बच्चों को सुविधा होगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ऐसे कक्षों की शुरुवात अब पूरे छत्तीसगढ़ में की जाएगी, जिससे बच्चों के हक और अधिकारों की रक्षा के साथ ही परिवार न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण में सहायता मिलेगी। जिला एवं सत्र न्यायालय में अपने छोटे बच्चों के साथ पेशी में आने वाली महिलाओं के लिए एक नई सुविधा किलकारी कक्ष का शुभारंभ करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि जिन जिलों के न्यायालयों में विवादित प्रकरणों की संख्या बहुत ज्यादा है वहाँ शीघ्रतापूर्वक उन्हें सुलझाया जाना पहली प्राथमिकता है। ऐसे में समझौता योग्य प्रकरणों के पक्षकारों को आपस में राजीनामा करने के लिए प्रेरित करना निहायत जरुरी है. समारोह में पहुंचे उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर ने कहा कि लम्बे समय से लंबित प्रकरणों की शीघ्रता से निराकरण बाबत सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश समय-समय पर हमारे तक पहुँच रहे हैं, जिन्हें हम जिला न्यायालयों को अग्रेषित करते जा रहे हैं। ऐसे प्रकरणों के शीघ्र निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। इस सन्दर्भ में यदि कोई परेशानी या शिकायत है तो जिला न्यायाधीश से चर्चा कर समाधान निकाला जाना चाहिए तथा इस त्वरित निराकरण में छोटी-मोटी परेशानियाँ तो रहेंगी ही, जिन्हें अन्यथा नहीं लिया जाना चाहिए। समारोह के दौरान बस्तर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष राकेश दास, कोषाध्यक्ष लीलाधर साहू सहित वरिष्ठ अधिवक्तागण और सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम समापन के पूर्व संघ की ओर से न्यायमूर्ति द्वय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सञ्चालन अधिवक्ता नवीन ठाकुर द्वारा किया गया।

औद्योगिक क्षेत्र से लगे गांवों में औचक जांच, 180 संदेही हिरासत में

रायपुर, (आरएनएस)। धरसींवा थाना के औद्योगिक क्षेत्र सितलरा के आसपास के ग्रामों में आज सुबह से पुलिस ने औचक जांच अभियान चलाया। इस दौरान करीब 180 संदेहियों को तस्दीक हेतु थाना लाया गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीएसपी उरला, कोतवाली के निर्देशन में आज सुबह थाना प्रभारी धरसींवा, तिल्दा, खरोरा, मौदहापारा, आमानाका, उरला थाना गंज, देवेन्द्र नगर, टिकरापारा, आरंग, राखी, अभनपुर का बल एवं पुलिस लाइन का अतिरिक्त बल, बाइक पेट्रोलिंग, पीसीआर सहित कुल 150 बलों की अलग-अलग टीम बनाई गई। इन टीमों को औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा सहित आसपास के गांवों चरौदा, धनेली, कुंरा, धरसींवा में सघन जांच हेतु रवाना किया गया। पुलिस टीम ने बस्ती में रहने वाले किराएदारों की जांच की। इस दौरान करीब 800 मकानों की सघन चेकिंग की गई। जांच के दौरान ग्राम चरौदा से 67, धनेली से 50, कुंरा से 23 तथा धरीसंवा से 40 कुल 180 लोगों को तस्दीक हेतु थाना लाया गया है। चेकिंग के दौरान मिले संदेहियों के आधार कार्ड की चेकिंग भी किया गया है जितने बाहरी व्यक्ति मिले हैं, उनका चलन तहरीर व एसएस रोल जारी किया जा रहा है। चेकिंग के दौरान फरार लुटेरों की फोटो दिखाकर हिदायत दी गई है कि इनके संबंध में सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को बताया जाए।

गुजरात से औषधीय पौधों की उन्नत खेती देख-सीख कर लौटे छत्तीसगढ़ के किसान

रायपुर, (आरएनएस)। औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात से औषधीय पौधों के कृषिकरण के आधुनिक अध्ययन प्रवास से छत्तीसगढ़ के किसानों का दल आज शाम राजधानी रायपुर पहुंचे, जिनका स्वागत छत्तीसगढ़ राज्य औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. शर्मा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिरीष चन्द्र अग्रवाल द्वारा गर्मजोशी के साथ किया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के नौ जिलों के 16 किसान और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थी एक सप्ताह की अध्ययन यात्रा पर 14 फरवरी को रवाना हुए थे। किसानों ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से आठ राज्यों के कृषक भी आए थे, जिसमें सबसे ज्यादा संख्या छत्तीसगढ़ के किसानों की थी । छत्तीसगढ़ के किसानों के ज्ञान एवं जिज्ञासा को देखते हुए वहां के सभी किसानों तथा संस्थान के निदेशक किसानों को वैज्ञानिक किसानों की श्रेणी से संबोधित करते थे तथा औषधीय पौधों की खेती सभी आधुनिक तकनीकों, बाजार कम से कम लागत एवं अधिक से अधिक मूल्य प्राप्त हो सके की जानकारी रोजाना प्रदान की जाती थी । प्रशिक्षण से उत्साहित किसानों ने यह भी कहा अब वे खेती को जीविकोपार्जन के बजाय व्यापार की तरह करेंगे । इस अवसर पर बोर्ड मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आवश्वासन दिलाया कि औषधीय पौधों के कच्चे उपजों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए बोर्ड हर संभव प्रयास करेगा तथा उन्हे कच्चे माल का अधिक से अधिक मूल्य दिलाने के लिए कार्य करेगा । बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. शर्मा ने इस मौके पर यह आश्वासन दिया कि औषधीय पौधों की खेती में मृदा परिक्षण जो भी व्यय होगा उसे बोर्ड वहन करेगा तथा सोलर सिस्टम से स्थापित होने वाले पंप के लिए भी जल्द से जल्द कार्यवाही की जावेगी।